प्रशिक्षण शिष्यों को प्रशिक्षित करने के लिए
सत्र 11: सबमिशन (5c)

रॉन लाइवली, एम.डिवी., एमए द्वारा ऑफ़र किया गया - BiblicalMentoring.org (अध्ययन)

चरण 1: प्रारंभिक प्रार्थना

चरण 2: प्रत्येक व्यक्ति स्मृति कविता को उद्धृत करता है: छंद चरण: **मरकुस 10:45**
45 क्योंकि मनुष्य का पुत्र भी सेवा करवाने नहीं, परन्तु सेवा करने आया है।
और बहुतों के लिए फिरौती के रूप में अपना जीवन देने के लिए।

चरण 3: *बाइबल अध्याय के सभी या कुछ हिस्सों को पढ़ें और चर्चा करें* **– मार्क 10**

चरण 4: व्यक्तिगत अनुप्रयोगों और/या समूह चर्चा के लिए प्रश्न:

*एक.*फिलिप्स साझा करते हैं कि वास्तव में मसीह का अधिकार उन्हें और उनके कर्मचारियों को दिया गया था। इस बारे में सोचें कि इसने कुछ तनावपूर्ण स्थितियों में उनकी प्रदान की गई दिशा को कैसे प्रभावित किया।

दो. सेवकत्व के माध्यम से अधिकार का प्रयोग करने का क्या अर्थ है।

*तीन.*क्या आप लेखक की बात को समझा सकते हैं कि मसीह का संदेश स्पष्ट था कि "आत्मिक प्रेम सेवा करता है, यह इच्छा नहीं करता"।

चार. लेखक लिखता है कि "अविश्वासी डर, गर्व, वफादारी या पैसे की इच्छा के कारण सेवा करते हैं"। विचार करें कि एक शिष्य की प्रेरणा प्रेम होनी चाहिए।

पाँच. फिलिप्स का दावा है कि हमें बाइबल की चार सच्चाइयों को समझना और उनके अनुसार जीना चाहिए। क्या आप उनका नाम बता सकते हैं?

चरण 5: *पुस्तक की सामग्री पढ़ें और चर्चा करें:*

अध्याय 5c लेखक के अनुसार - कीथ फिलिप्स:

जब इन लोगों ने मुझ पर और हमारी सेवकाई पर अधिकार ग्रहण किया, तो मैंने मौखिक रूप से उनके प्रति अपनी अधीनता की पुष्टि की। ईसाइयों को स्वेच्छा से अपने अगुवों के प्रति समर्पण करना चाहिए। अगुवों के लिए बाइबल में कोई प्रावधान नहीं है कि वे उस व्यक्ति पर अपने अधिकार का प्रयोग करें जो समर्पण नहीं करता है। यही कारण है कि नया नियम पहले उस व्यक्ति से बात करता है जो समर्पण करने के लिए जिम्मेदार है, और फिर उस व्यक्ति से जो अधिकार का प्रयोग करना है: पहले बच्चों से, फिर माता-पिता से; पहले पत्नी को, फिर पति को; पहले नौकर को, फिर मालिक को। नतीजतन, हमारे बोर्ड के साथ मेरा संबंध उनके प्रति मेरे समर्पण पर टिका हुआ था। मेरा समर्पण पवित्रशास्त्र की खोज करने और नेतृत्व का परीक्षण करने के लिए आगे की व्यक्तिगत जिम्मेदारी को नहीं रोकता है (प्रेरितों के काम 17:11)। हालाँकि, मैं इसे एक विनम्र भावना के साथ करता हूँ, यह विश्वास करते हुए कि इस तरह के अध्ययन से केवल प्राप्त निर्देश में वृद्धि होगी। यदि हम किसी मुद्दे पर भिन्न हैं, तो मुझे विश्वास है कि ये ईश्वरीय नेता चर्चा के लिए खुले रहेंगे या किसी भी सुधार या ज्ञान की सराहना करेंगे। एक खोजकर्ता के रूप में मेरी आत्मा आलोचनात्मक, विद्रोही या अविश्वासी नहीं है। यह विनम्र है। मैं उनसे प्यार करता हूं और उनका सम्मान करता हूं। और मुझे पता है कि इसका उल्टा भी सच है।

ईश्वरीय पुरुषों के प्रति समर्पण जो मुझे अच्छी तरह से जानते हैं, ने दबाव की एक जबरदस्त मात्रा को कम किया है। उनके मार्गदर्शन और ज्ञान के आधार पर, मैं अब आत्मविश्वास से उन लोगों पर अधिकार का प्रयोग कर सकता हूं जो मेरे अधीन होना चुनते हैं। बदले में, हमारे कई कर्मचारी जिन्हें नेतृत्व के पदों के साथ सौंपा गया है, यहूदी बस्ती में अन्य स्टाफ सदस्यों और ईसाइयों पर अधिकार का प्रयोग करते हैं। मसीह का प्रत्यायोजित अधिकार वास्तव में हमें दिया गया है। इस सिद्धांत का प्रयोग करने से हमारे कर्मचारियों को कुछ तनावपूर्ण स्थितियों में दिशा प्रदान की गई है। हमें अक्सर भोजन खरीदने के लिए पैसे मांगे जाते हैं।

हमने महसूस किया कि हमने जो पैसा दिया वह अक्सर शराब या नशीले पदार्थ खरीदता था। इसलिए हमने उन लोगों के लिए एक अच्छी तरह से संतुलित भोजन प्रदान करने का फैसला किया जिन्होंने कहा कि वे भूखे थे।

यह सिद्धांत रूप में अच्छा लग रहा था, लेकिन यह सड़कों पर अच्छा काम नहीं कर रहा था। जब किसी को भोजन की पेशकश की गई, तो उसने जवाब दिया, "मेरे पास पैसे होंगे। क्या आप मुझ पर भरोसा नहीं करते?" कोई फर्क नहीं पड़ता कि हमने कितनी करुणा से समझाया, बहस और कड़वी भावनाओं का परिणाम हुआ। अंत में, मैंने अपने कर्मचारियों से बस यह कहने के लिए कहा, "मेरे बॉस का कहना है कि हम पैसे नहीं दे सकते, लेकिन अगर आप चाहें तो मैं आपको खिलाऊंगा। आश्चर्यजनक रूप से, इससे हमारी दुविधा समाप्त हो गई। जिन लोगों ने पैसे मांगे, वे उस अधिकार का सम्मान करते थे जिसके लिए हमारे कर्मचारियों ने समर्पण किया था, भले ही उन्हें पता नहीं था कि वह अधिकार कौन था। वे उस व्यक्ति के साथ बहस कर सकते थे, लेकिन उसके अधिकार के साथ नहीं। एक शिष्य खुशी-खुशी मसीह और उसके प्रत्यायोजित अधिकारियों के प्रति समर्पण करता है।

शिष्य दासत्व के माध्यम से अपने अधिकार का प्रयोग करते हैं

पाशविक बल या सत्तावादी मांगों का उपयोग करने के बजाय, एक शिष्य दासत्व के माध्यम से अपने अधिकार का प्रयोग करता है। यीशु ने अपने शिष्यों से कहा, "... तुम जानते हो कि जो अन्यजातियों के शासकों के रूप में पहचाने जाते हैं, वे उन पर प्रभुता करते हैं; और उनके महान पुरुष उन पर अधिकार करते हैं। परन्तु तुम में ऐसा नहीं है... जो कोई तुम में प्रथम होना चाहे, वह सब का दास होगा। क्योंकि मनुष्य का पुत्र भी सेवा करवाने नहीं, परन्तु सेवा करने और बहुतों की छुड़ौती के लिये अपना प्राण देने आया है" (मरकुस 10:42-45)। मसीह का संदेश स्पष्ट था: आत्मिक प्रेम सेवा करता है, वह इच्छा नहीं करता। सेवकता नेतृत्व का सर्वोच्च रूप है। परिपक्व ईसाई हर स्थिति में प्रभुत्व पर दासत्व चुनता है। ऐसे बहुत कम व्यक्ति हैं जो इतनी आश्चर्यजनक पहली छाप छोड़ते हैं कि मैं उनसे चकित हूं। एक दिन मुझे एहसास हुआ कि जो अनोखे लोग ऐसा करते हैं, उनमें एक चीज समान है: सेवकता।

वाल्टर इन उल्लेखनीय लोगों में से एक है। पहली बार जब हम मिले, तो उन्होंने मुझे मेरी नियुक्तियों के लिए प्रेरित करने के लिए अपने कैलेंडर को साफ़ करने की पेशकश की। वह ईमानदारी से मेरे कल्याण के बारे में चिंतित थे। मैंने कभी नहीं सोचा था कि वह देश के शीर्ष व्यावसायिक अधिकारियों में से एक थे। वाल्टर को कभी भी यह कहने की आवश्यकता नहीं है, लेकिन मुझे पता है कि वह मेरी सेवा करने के लिए अपनी शक्ति में कुछ भी करेगा। अगर मैं एक हताश स्थिति में होता, तो मैं उसे फोन करने में संकोच नहीं करता। दासता उसके जीवन में व्याप्त है। यीशु ने कहा, "मेरी आज्ञा यह है कि तुम एक दूसरे से प्रेम रखो, जैसा मैं ने तुम से प्रेम रखा है" (यूहन्ना 15:12, इटैलिक जोड़ा गया)। और अपने शिष्यों के लिए मसीह का प्रेम निःस्वार्थ दासता था। उसने स्वेच्छा से एक दास का रूप धारण किया (फिलिप्पियों 2:7)। उसने उनके पैर धोए और स्वेच्छा से क्रूस पर उनका स्थान ले लिया। यीशु चिल्ला नहीं रहा था और लात नहीं मार रहा था जब उन्होंने उसे क्रूस पर चढ़ाया था। वह दयालु और क्षमाशील था। उसने बिना किसी हिचकिचाहट के सेवा की और फिर घोषणा की, "मैंने तुम्हें एक उदाहरण दिया है कि तुम भी वैसा ही करो जैसा मैंने तुम्हारे साथ किया था" (यूहन्ना 13:15)। प्रेरित, जिनका चर्च में अधिकार प्रश्न से परे था, सेवक-नेता थे। उन्होंने अपने आत्मिक बच्चों पर "प्रभु" नहीं किया (2 कुरिन्थियों 1:24)। उन्होंने विनम्र, प्रेमपूर्ण तरीके से अधिकार का प्रयोग किया। अविश्वासियों के विपरीत जो भय, घमंड, वफादारी या पैसे की इच्छा के कारण सेवा करते हैं, एक शिष्य की प्रेरणा प्रेम है। वह अपने भाई के कल्याण को अपने कल्याण से ऊपर रखता है। गोपनीयता एक दुर्लभ विलासिता है। असुविधा असामान्य नहीं है। वह किसी का ध्यान नहीं जाता है और, उस समय के उत्साह या त्रासदी में, अक्सर बिना किसी के धन्यवाद के छोड़ देता है। कोई भी ऊँचे शब्द या कार्य चरित्र से बाहर है। मुझे याद है कि मैं एक ऐसे कमरे में एक सेमिनार पढ़ा रहा था जहां ब्लैकबोर्ड के लिए कोई स्टैंड नहीं था। अल एवर्ट, हमारे विचिटा निदेशक, मेरे साथ थे। चुपचाप, पूरी तरह से किसी का ध्यान नहीं, अल ब्लैकबोर्ड के पीछे फिसल गया और उसे अपने शरीर के खिलाफ पकड़े हुए खड़ा हो गया। तीन घंटे तक मैंने शिष्यत्व के बारे में सिखाया - आत्म-मृत्यु, अधीनता, आज्ञाकारिता, प्रेम और सेवकता। जैसे ही सत्र समाप्त हुआ, मैंने अल को देखा और गहराई से प्रभावित हुआ। मैंने एक मसीह जैसे चरित्र के बारे में बात की थी, जबकि अल ने इसे जिया था। "... जो कोई तुम में महान बनना चाहे, वह तुम्हारा सेवक होगा" (मत्ती 20:26)। चेले दासत्व के माध्यम से अपने अधिकार का प्रयोग करते हैं। अधीनता-अधिकार संबंध जो परमेश्वर ने निर्धारित किए हैं, वे मसीह के चर्च के लिए केंद्रीय तंत्रिका तंत्र के रूप में कार्य करते हैं। हम मसीह के शरीर में केवल तभी सही ढंग से कार्य कर सकते हैं जब हम इन चार बाइबिल की सच्चाइयों को समझें और उनके अनुसार जीते हैं जो आनंदमय अधीनता के लिए आधार बनाते हैं।

शिष्यों की चेकलिस्ट - सबमिशन
____I अपने संप्रभु, प्रेमपूर्ण और सर्वज्ञ परमेश्वर पर भरोसा करने का आंतरिक दृष्टिकोण रखते हैं।
____Christ का अधिकार मेरे जीवन में सर्वोच्च है।
____When परमेश्वर का प्रत्यायोजित अधिकार मेरे जीवन को छूता है, तो मैं इसे ठीक वैसे ही समर्पित करता हूँ जैसे मैं मसीह के प्रति करता हूँ।
____I अधिकार का प्रयोग कर सकते हैं क्योंकि मैं प्राधिकार के प्रति समर्पण करता हूं।
____I दासत्व के माध्यम से अपने अधिकार का प्रयोग करता हूं।

चरण 6*: व्यक्तिगत प्रार्थना अनुरोधों को साझा करें फिर प्रत्येक व्यक्ति दूसरे के अनुरोधों के लिए प्रार्थना करता है।*

स्रोत: द मेकिंग ऑफ ए डिसाइपल डॉ . कीथ फिलिप्स द्वारा। फ्लेमिंग एच. रेवेल कंपनी द्वारा, 1981। आई°ऍस°बी°ऍन° 0-8007-1181-5. रॉबर्ट ई. कोलमैन द्वारा परिचय। सामग्री (अध्ययन प्रश्नों को छोड़कर) बिना किसी संशोधन के पुस्तक से ली गई है।

संशोधित 20261011